12.12 hrs.

Title: Regarding disclosure in Newspapers about Tehalka.com issue.

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, कल दिल्ली के एक प्रमुख पत्र में जिस तरह तहलका कांड के बारे में एक विवरण छपा, वह न केवल अशोभनीय है बल्कि सारे सदन और राट्र के लिए मर्यादा विहीन है। उस पर सब की चिन्ता होना स्वाभाविक है। जब तहलका कांड चला था तो उस समय भी यही हथकंडे अपनाए गए, टेप किया गया। अखबारों और इलैक्ट्रोनिक मीडिया के जरिए सारी दुनिया को यह बताया गया कि देश की सेना में कितना भ्रटाचार व्याप्त है। उस पर सरकार ने कमीशन बनाया, सेना के लोगों ने अपना कोड बनाया । हमें अखबारों के जरिए से मालूम हुआ कि उन्होंने काफी आगे बढ़ कर कार्यवाही की है। जिस समय उनकी कार्यवाही समाप्त होने जा रही थी और यह हो रहा था कि कुछ लोगों को सजा दी जाने वाली है तो उस समय अचानक कल एक दूसरा टेप कहीं से आया। शायद उन्हीं लोगों ने कमीशन के सामने दिया, जिन लोगों ने इसे शुरु किया था। उसमें तरह-तरह की बातें लिखी हैं या जो कही गई हैं, वे इतनी अशोभनीय हैं कि सदन में उनकी चर्चा करना मैं उपयुक्त नहीं मानता।

अध्यक्ष महोदय, इन्फोरमेशन इनडिपेंडेंट होनी चाहिए। राइट ऑफ इन्फोरमेशन होनी चाहिए, लेकिन क्या इसके अंदर यह भी आता है कि जघन्य कृत्यों को अपना कर सूचना प्राप्त की जाए और अगर ऐसी कोई सूचना प्राप्त की गई तो इसे प्रधान मंत्री जी, सुरक्षा मंत्री जी या उच्चाधिकारियों को न देकर दुनिया के सामने सारे देश की मर्यादा को नीचे गिराना, सारी सेना की नैतिकता को नीचे गिराना कहां का राट्रीय कर्तव्य है। मुझे दुख इस बात का है कि कल उसके छपने के बाद उन महोदय ने एक वक्तव्य दिया, जिसे आकाशवाणी ने भी बड़े जोरों से प्रसारित किया है। उन्होंने कहा कि हम इस काम को करते रहेंगे। मैंने देशहित में किया है। जब मामला गंभीर हो तो ऐसे गंभीर कदम उठाने पड़ते हैं, जिस तरह का कदम आज उन्होंने उठाया है। मैं नहीं जानता कि कानून में कोई व्यवस्था है या नहीं। मुझे जो थोड़ी-बहुत कानून की जानकारी है, जो काम इन्होंने किया है वह किसी दृटि से, नियम, कानून, मर्यादा, नैतिकता के अंदर नहीं आता। मैं नहीं जानता कि सरकार क्या कर रही है। हर चीज पर सरकार का मौन रहना, असमर्थता जाहिर करना, यह सरकार की नित्य प्रति की बात हो गई है। मैं इस सवाल को नहीं उठाता, लेकिन मैं समझता हूं कि इस एक घटना से देश की और सेना की मर्यादा, हमारी सारी कार्यविधि की मर्यादा नीचे गिरी है। मैं चाहूंगा कि अगर कोई नियम, कानून नहीं है, यहां संसदीय कार्य मंत्री बैठे हैं वह विधि मंत्री जी को कहें कि क्या ऐसे लोगों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता? क्या इन लोगों को ऐसे समझाया नहीं जा सकता कि अगर देश की इतनी चिन्ता है तो इस चिन्ता को दूर करने के लिए सरकार है।

सरकार जो करती है उससे भी मैं सहमत नहीं हूं। यह बात मैं स्पट कर दूं कि मालूम ऐसा होता है कि सरकार को लकवा मार गया है। इनके बारे में कोई कुछ कहता है तो ये मौन रह जाते हैं, यह मौन किस कमजोरी का द्योतक है, मैं नहीं समझ पाया। अध्यक्ष महोदय, यह देश की सुरक्षा का सवाल है, सुरक्षा बलों का सवाल है और एक जगह नहीं अनेक जगह ऐसी कार्रवाई हो रही है। कल जो हुआ उस पर हमारे कुछ सदस्य उत्तेजित थे और उनका उत्तेजित होना स्वभाविक था। इस तरह की घटनाएं अगर नहीं रोकी गयीं तो न केवल इस सदन में उत्तेजना फैलेगी बल्कि मुझे डर है कि कहीं सुरक्षा बलों के अंदर भी उत्तेजना न फैले जिससे हमारा सारा संसदीय जीवन त्रस्त हो जाए।

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (GUNA): Mr. Speaker, Sir, undoubtedly the methods adopted by Tehelka are reprehensible. We totally disapprove of the use of immoral measures that have been adopted and which have taken Tehelka beyond the realm of reporting the news to the realm of almost making the news. But, Mr. Speaker, Sir, what is even more farcical is the drama that is being enacted by some of the Members of the NDA in trying to convert this into an opportunity to obliterate ...(*Interruptions*)

श्री ब्रह्मानन्द मंडल (मुंगेर) : यह किसलिए नाटक कर रहे हैंâ€¦(व्यवधान) तहलका पर इन्होंने 15 दिन संसद बंद रखी, अब यह किसलिए नाटक कर रहे हैंâ€¦(व्यवधान) यह इनका रोज का नाटक है।

अध्यक्ष महोदय : यह ठीक नहीं है। मंडल जी, जब आपको चांस मिले तब आप बोलियेगा।

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : इनका रोज का नाटक हो गया है।â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, this is not fair. ...(*Interruptions*)

MR.SPEAKER: Shri Brahma Nand Mandal, please take your seat....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This will not go on recordâ€¦.*(Interruptions) *â€¦*

MR. SPEAKER: I have called Shri Madhavrao Scinda's name. What is this? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He is the Deputy Leader of the Opposition. Please understand that he has taken the permission of the Chair. ...(*Interruptions*)

श्री रघुनाथ झा : अभी आपने सुबह मीटिंग बुलाई और अभी से उसी तरह की बातें हो रही हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No running commentary please.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : I would like to repeat that we totally disapprove of the immoral measures that have been adopted But I would again like to repeat that what is even more farcical is the drama that is being enacted by some of the NDA Members who are trying to convert this into an opportunity to obliterate all the earlier findings which have appeared on the tape. ...(*Interruptions*) Sir, what do the hon. Members want? ...(*Interruptions*)

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : इन्होंने तहलका पर 15 दिन संसद चलने नहीं दीâ€¦(व्यवधान)

आपने क्या किया?â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats....(*Interruptions*)

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : जब इन्होंने 15 दिन संसद नहीं चलने दी, तब आपने क्या किया?

MR. SPEAKER: This is too much. आप बैठ जाइये। आप यह क्या कर रहे हैं?...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: Sir, he is telling you. â€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is too much. What are you doing? Please take your seat.

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Mr. Speaker, Sir, why are they getting hysterical? Let them take an objective view also on certain things. On the one hand where we have disapproved the measures, can we obliterate all the revelations that we have seen by our own eyes? What do they want? Do they want us to forget the stunning demonstration of corruption on the screen that was indulged in by one of the highest functionaries of the leading party of the NDA? Do they want us to forget that? Do they want us to forget the scenes that we saw on Television of other functionaries and the actions that they indulged in at the ministerial residences?

Do they want us to forget that? How can we forget that? ...(*Interruptions*) Do they want us to forget that? What are they wanting us?...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : What is the physical language he is expressing?

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Do they want us to forget the seamy and sleazy side of Government that was revealed on television through the films? Do they want us to forget the lewd comments and observations that were made by the principal players who succumbed to the honey-trap? Do they want us to forget the utter contempt shown by those principal players to the bravest of the brave who lost their lives for us in Kargil? Do they want us to forget that? What do they want? Do they want to obliterate everything? ...(*Interruptions*)

DR. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): Sir, I have a point of order.

MR. SPEAKER: There is no point of order during 'Zero Hour'.â€¦ (*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : I would, Mr. Speaker, like to make this point that Mr. Parliamentary Affairs Minister, I think we already had a meeting.....(*Interruptions*)

DR. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Already a Judicial Commission is looking into all these things. The matter should not be referred here â€¦...(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : I was not referring to it.

DR. VIJAY KUMAR MALHOTRA : It is the merit of the case.â€¦ (*Interruptions*) Immoral methods are being adopted...(*Interruptions*) He should not go into all these things....(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA: We cannot forget Kargil. I am sorry. They were the bravest *Jawans* who laid their lives down for us. We should not forget the scenes that were enacted on the television through the films where people played with our national security and the lives of the *jawans.*. I am sorry we cannot forget it.

Mr. Speaker, Sir, I just want to make a point that these methods, however reprehensible and abhorrent, do not and cannot detract from the merit of the findings. The gravity of the actions of those who are seen on film is in no way diminished. And the Congress has been demanding inquiry and action against the highest involved. In fact, we had asked for a JPC. It is still not too late. You can still think, maybe, of a JPC.

Mr. Speaker, Sir, by all means, let action be taken against the Tehelka team if they have violated the laws of the land. But what the nation wants is an inquiry and action against the culprits, the highest involved. The nation wants them to be brought to book. We cannot lose sight of it. They have caused us the greatest damage. They have played with our national security. They have played with the lives of our *jawans.* So, if you want to take action against the Tehelka team if they have violated the laws of the land, take action. But you must take action against the highest involved in the matter of national security. Otherwise, we will take it that the Government is involved in a massive cover-up of the entire operation.

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : कानून का अगर किसी ने उल्लंघन किया है तो कांग्रेस पार्टी ने किया है। व्यवधान)

श्री लाल मुनी चौबे (बक्सर) : अध्यक्ष महोदय, ये गलत बात करके सदन को गुमराह कर रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shri Prabhunath Singh.*(Interruptions) â€¦**

MR. SPEAKER: Shri Lal Muni Chaubey, I have not called your name. I have called Shri Prabhunath Singh. You please sit down....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record. *(Interruptions) â€¦**

MR. SPEAKER: I have called Shri Prabhunath Singh. Please take your seat.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, तहलका डॉट कॉम के टेप से संबंधित सवाल बहुत पहले उठाए गए थे। उस समय यह जानकारी मिली थी कि यह टेप सौ घंटे का है जिस में से चार घंटे का टेप टेलीविजन के माध्यम से देश और दुनिया को दिखाया गया। मैं सिर्फ दो-तीन सवाल उठाना चाहता हूं। जब सदन और सदन के बाहर चर्चा चली तो उसके क्या परिणाम निकले, इस बारे में सब लोग जानते हैं। जहां इसे लेकर देश के रक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा, वहां एक कमीशन इसके गुण और दोाों की जांच और छानबीन करने के लिए बनाया गया। कमीशन के पास वह टेप जो सौ घंटे का है, बहुत पहले दाखिल कर दिया गया। वह टेप कमीशन के सभी वकीलों को भी दिखाया गया। जहां तक मुझे जानकारी है, इस टेप में कुछ ऐसी बातें भी आई हैं जो काफी आपत्तिजनक हैं। वे आपत्तिजनक ही नहीं हैं बल्कि टेप में सच्चाई वाले पोर्शन को ओमिट कर दिया गया।

जहां तक उस टेप को देखने का सवाल है, हमें जानकारी है कि उसमें श्री जैन का बयान था जिसमें यह कहा गया था कि वह श्री जॉर्ज फर्नान्डीज से बात नहीं कर सकता था, रक्षा सौदे की बात नहीं करेगा । काफी ईमानदार आदमी हैं, उस परसन को उसमें से निकाल दिया गयाâ€¦(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, कल से अखबारों में आ रहा है और जिस तरह घटिया किस्म से सेना के वरिठ पदाधिकारियों को प्रलोभन देने की बात कही गई है, " तहलका " के लोग यह कह रहे हैं कि हमने खोजी पत्रकारिता की है, इसकी सच्चाई को जानने के लिये टेप को देखने से पता चलता है कि उसमें सिर्फ एक तरफ आवाज़ है, दूसरी तरफ आवाज़ ही नहीं है। इस तरह के घटिया किस्म के काम से हमारी नज़र में चार मामले आते हैं।

अध्यक्ष महोदय, उनमें एक यह है कि केन्द्रीय सरकार को अस्थिर करने की साज़िश की गई है। दूसरा, कारगिल के युद्ध में सेना के जो जवान शहीद हुये हैं और सीना तानकर देश की सीमा की सुरक्षा में लगे रहते हैं, उन पदाधिकारियों को नीचा दिखाने और उनका मनोबल गिराने का प्रयास किया गया है जिसे देशद्रोह की संज्ञा दी जा सकती है। तीसरा, जिस तरह से विश्वास में लेकर और जिस तरह से घटिया किस्म का काम किया गया है, उसमें सी.आर.पी.सी. के अंतर्गत दफा 406 बन रही है। मेरा कहना यह है कि जिस ढंग से फ्राडिज्म किया गया है, इसमें दफा 420 का मुकदमा बनता है। चौथा, कमीशन को जिस दिशा में यह जांच ले जानी चाहिये थी, वह इस दिशा में भ्रमित है। इसलिये हम कहना चाहते हैं कि जब जांच से पहले वे कैसेट्स आ चुकी हैं, सरकार को इस बात की जानकारी हो चुकी है तो लड़की का बयान लेकर मुकदमा दर्ज किया जा सकता है लेकिन सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस गंभीर सवाल को देखते हुये तहलका.कॉम पर मुकदमा किया जाये और उन्हें गिरफ्तार किया जाये। हम आपके माध्यम से यह भी मांग करना चाहते हैं और हमें विश्वास है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से लेते हुये सदन में इस बात का आश्वासन देगी।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, उन टेपों को दुनिया के लोगों ने देखा और...â€¦ (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश प्रसाद जी, हमने आपको नहीं बुलाया, आप बैठ जायें। श्री सोमनाथ चटर्जी।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker, Sir, it is quite natural that a very senior and respected Member like Shri Chandra Shekhar would raise a very important issue which has agitated all sections of the House.

We are not sitting here as conscience-keepers of everybody or of the defence personnel in this country. The question is, a certain publication has been made yesterday, which gives out certain very serious disclosures about how the defence personnel are falling prey to temptations when some people try to get inside information about defence deals. Senior officers are supposedly falling prey and are submitting to this. What we are objecting is the manner of disclosure but are we not to object to those persons indulging in such activities against the interests of the country and parting with defence deals? This is the most heinous aspect of the matter.

We are relying on what we have found in the Press, as Shri Chandra Shekhar is doing. The whole set of tapes was given to two authorities − one is the Army and the other is the Commission. We do not know where it has come from and how it has come to the newspaper but somebody has leaked it. The newspapers have a right to publish it. The newspaper in which it has been published has as much right to do it as the Tehelka.com people have the right to find out the truth about the people indulging in it. Therefore, if we are criticising them, we are willy-nilly criticising the important newspaper that has published it but you are not saying one word about them.

This double standard should not apply. We know your difficulties. The Convenor of the NDA has lost his job in the Ministry although he is sitting in seat No. 4 in this House. This is the trouble. This is the uncomfortable feeling you are having. Therefore, you are trying to throttle ...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : श्री जार्ज फर्नान्डीज की किसी मंत्री से ज्यादा हैसियत है ।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I will say two more sentences. It is not my job to exonerate anybody if anybody has committed any crime or committed any offence. You take all actions under the law. The action has to be taken by the Government. Then, why are the partners in the Government coming here and creating problems here, interrupting the proceedings of the House? You are in the Government. You persuade the Government to

take action against those. If it is open in law, you do it. But I am not hearing one word from the Government condemning the action of those highly placed Army officers who have fallen prey into these, if this has really happened.

Therefore, we are concerned about the defence of this country. You are trying to show you are a great moralist. The question is, the House is to be concerned with the serious lapses of the Defence personnel. Therefore, we have been demanding that a JPC should be appointed in this which should go into all these questions and we do not have to depend on these leaks here and there. Let the hon. Members of this House, with all their sense of responsibility and seriousness, go into this question and find out the truth so that condign punishment could be given both to the political personnel and also the personnel outside the ambit of this House. Persons both within and outside should suffer the consequences.

Even now there is a time. Therefore, the Government should wake up and accept the plea of the Opposition for a JPC so that all these questions can be gone into. I am not exonerating anybody. I am not trying to be an extra-moralist for the purpose of saying illegal actions have been taken, improper procedure has been adopted.

One of the highest functionaries of one of the countries in the world had to face impeachment proceedings. Nobody tried to stop that in that country. You are following them blindfolded and now you are trying to be very touchy about it saying − 'no, no; women should not be brought in'. You are accepting the disclosures in other countries.

Sir, let us not try to be moralists here. Let us try to find out the facts and a JPC can really find out the facts. I demand the appointment of a JPC.

MR. SPEAKER: Shri Brahma Nand Mandal to speak for a minute. He has given a notice on this subject.

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । लेकिन एक मिनट में मैं क्या बोलूंगा । इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि तहलका प्रकरण पर जो बातें आई हैं, यह बहुत गम्भीर मामला है । मैंने एक बार इसी पार्लियामैन्ट में यह कहा था â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Brahma Nand Mandal, please address the Chair.

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : मैंने कहा था कि सत्ता और पैसे के लिए किस तरह से....* पाखंड राजनीतिक दल के लोग करते हैं । यह मैंने इसी संसद में 1996 में कहा था । तहलका का मामला एक साल पहले आया था और कल इंडियन एक्सप्रैस में जो आया था, अगर इन दोनों को मिलाकर देखें तो यह पायेंगे कि यह एक बहुत बड़ा ाड्यंत्र सत्ता और पैसा पाने के लिए किया गया है । इसीलिए मैं खास तौर से सोमनाथ बाबू से कहना चाहता हूं कि सोमनाथ बाबू कम से कम आपको तो यह पाखंड नहीं करना चाहिए था । लेकिन आप भी इस पाखंड में शामिल है और वह क्या है, वह यह है â€¦(व्यवधान)

SARDAR BUTA SINGH (JALORE): Sir, hon. Member Shri Somnath Chatterjee has not done any * It is a derogatory word. ...(*Interruptions*) The hon. Member should withdraw his words.

श्री पवन कुमार बंसल (चंडीगढ़) : सर, अनपार्लियामैन्ट्री शब्दों को कार्रवाई से रिमूव किया जाए ।â€¦(व्यवधान)

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : तहलका के जो टेप हैं, जो टेप इंडियन एक्सप्रैस में आये हैं. वह सिर्फ राट्रीय सुरक्षा का ही मामला नहीं है, वह हमारे राट्रीय जीवन का भी मामला है, हमारे सामाजिक जीवन का भी मामला है ।

यह पार्लियामेंट जिस काम के लिए बनी है, उसका भी सवाल है। â€¦(व्यवधान)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Sir, the objectionable word that is used by him should be expunged.

MR. SPEAKER: It if it is objectionable, it can be expunged.

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : तहलका में जो कुछ भी किया गया है और कहा गया है कि हम भ्रटाचार को दिखाना चाहते हैं, दुनिया वालों को और देश वालों को दिखाना चाहते हैं कि चाहे अफसर हो, राजनीतिक नेता हो, चाहे दूसरे लोग हों, वे किस तरह से इसमें लिप्त हैं, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि यह तहलका क्या है?

MR. SPEAKER: Shri Brahama Nand Mandal, you are not debating the issue.

*** Expunged as ordered by the chair.**

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : यह एक कंपनी है मुनाफा कमाने के लिए, यह पत्रकारिता की कंपनी नहीं है और मुनाफे के लिए जब बात की जाती है तो उसके सामने न देश रहता है, न समाज रहता है। *(Interruptions)* â€¦*

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Mr. Speaker Sir, how can he say this? ...(Interruptions)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, he is making this kind of an allegation. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: That will not go on recordâ€¦.(Interruptions) â€¦*

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Sir, this should not go on record. How can he say such a thing? ...(Interruptions)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: How can he say this? This is highly irresponsible ...(Interruptions)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Mr. Speaker Sir, we were listening to him in silence. ...(Interruptions)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Mr. Speaker Sir, we will not allow him to make such a remark against any quarter in the House. ...(Interruptions)

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : मैं कहना चाहता हूं कि 1996 में यह कानून बना था कि लड़कियों को इस्तेमाल करने के लिए, घरों में रखने के लिए, होटलों में रखने के लिए जो भी प्रोत्साहित करेगा उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। â€¦ (व्यवधान) तहलका ने इस कानून को तोड़ा है। *(Interruptions) â€¦**

MR. SPEAKER: Nothing should go on record. (Interruptions) *â€¦

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: Dr. Vijay Kumar Malhotra. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I have already told nothing should go on record. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: This will not go on record. (Interruptions) *â€¦

MR. SPEAKER: Nothing should go on record. (Interruptions) *â€¦

MR. SPEAKER: Dr. Vijay Kumar Malhotra....(Interruptions)

MR. SPEAKER: This will not go on record. (Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: Nothing will go on record. (Interruptions) â€¦ *

*** Not Recorded.**

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, आज हमारे पूर्व प्रधान मंत्री माननीय चंद्रशेखर जी ने एक प्रश्न यहां रखा। आज उनका सवाल सिर्फ लिमिटेड था कि कल समाचार-पत्रों में जो छपा है जिसके मुताबिक बहुत ही निम्न स्तर के साधन अपनाकर कोई खोज करने की कोशिश की गई, उसी के बारे में यहां राय रखने के बारे में बात आई थी।

माननीय माधवराव जी ने इसका जिक्र किया कि कल कोई ड्रामा किया गया - मुझे लगता है कि यह उनको शोभा नहीं देता क्योंकि जब वह कोई बात करें सदन में आएं, वैल में आ जाएं तो देशभक्ति का काम है और उनकी विरोधी पार्टी के व्यक्ति ऐसा करें तो वह ड्रामा है और उसको ड्रामे की बात कहा जाए। आज हम उसकी मैरिट में नहीं जा रहे हैं क्योंकि एक ज्यूडीशियल कमीशन बैठा हुआ है। सेना के जिन अधिकारियों ने इस प्रकार की हरकत की है और उसमें फँसे हैं उनको सज़ाएं दी गई हैं, बाकी सज़ाएं देने की बात भी हो रही है। हम कोई बात नहीं कहना चाहते कि कोई भी सेना का अधिकारी चाहे उसने रिश्वत ली हो, चाहे वह वेश्यावृत्ति के काम में शामिल हुआ हो, उसको सज़ा नहीं दी जानी चाहिए। इस बारे में ऐसी कोई बात नहीं की जा रही है। अभी सोमनाथ जी ने यह बात उठाने की कोशिश की कि इसकी जांच के लिए जेपीसी का गठन किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, जे.पी.सी. के ऊपर, उससे कहीं ज्यादा कठोर, एक जुडीशियल कमीशन बनाया गया है। वह इन सब बातों को देख रहा है। वह अपराधियों को देखेगा, उनको सजा देगा, परन्तु सोमनाथ बाबू और माधवराव जी, क्या वेश्यावृत्ति का प्रयोग होना चाहिए, कोई खोजी खबर निकालने के लिए, क्या एल्योरमेंट होनी चाहिए, सुप्रीमकोर्ट की जजमेंट है, â€¦ (व्यवधान)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Will you please yield for a minute? We have made it very clear that we totally disapprove of the measures that were adopted.

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : चूंकि कांग्रेस ने डिसएप्रूव किया है, सभी पार्टियों ने डिसएप्रूव किया है, इसलिए मुझे उस विाय पर ज्यादा बोलने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की जजमेंट पहले आई हुई है कि कोई व्यक्ति अगर हैवीचुअल ब्राइब टेकर हो, तो भी उसको एल्यूर करना, इम्मोरल है, इल्लीगल है और उसको रिश्वत देना ठीक नहीं है। इसी प्रकार की कोई चीज प्रयोग करना, यह केवल एक लिमिटेड सवाल था, बाकी बातें हमारे कमीशन के सामने हैं। कमीशन उसको देखेगा और दूध का दूध और पानी का पानी कर देगा। उसका बहाना लेकर, फिर से जे.पी.सी.की मांग करना, फिर से यहां सवाल उठाना उचित नहीं है।

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष जी, कल एक अंगरेजी के समाचारपत्र में तहलका संबंधी जो खबर छपी, आदरणीय चन्द्र शेखर जी ने, उस मुद्दे को उठाया और उसको लेकर एक छोटी सी बहस हुई जिसमें विभिन्न मुद्दे उठाए गए हैं। इन सभी मुद्दों पर इस क्षण टिप्पणी करना, मैं आवश्यक नहीं समझता, क्योंकि उसमें कुछ अलग मुद्दे भी हैं।

अध्यक्ष महोदय, इसमें, मैं सरकार की ओर से सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि पत्रकारों को अपने देश में खबर लाने की पूरी आजादी है। पिछले 15-20 सालों में खोजी पत्रकारिता, एक नाम अर्जित कर चुकी है और मैं समझता हूं कि संसदीय जनतंत्र के लिए पत्रकारिता का भी एक महत्व है और उस पर किसी प्रकार की आंच का प्रश्न उपस्थित नहीं होता।

अध्यक्ष महोदय, लेकिन उसके साथ-साथ यह भी है कि खोजी पत्रकारिता का अर्थ क्या हो और खबर निकालने के लिए वे किस प्रकार के साधन उपयोग में लाएं, यह एक विवाद का मुद्दा है। अब इसमें किसी का मत हो सकता है कि वह कुछ भी करे, तो फर्क नहीं पड़ता है। अब यह किसी का मत हो सकता है, लेकिन मैं यह देख रहा हूं कि यहां के अधिकांश प्रमुख पक्ष, यह मानते हैं कि खोजी पत्रकारिता का अर्थ यह नहीं होता कि आप गैर-कानूनी या जिसको हम इम्मोरल कहते हैं, ऐसे तरीके से कोई खबर निकालने की कोशिश करे। इसका मैं दूसरा अर्थ यह नहीं मानता कि कोई इम्मोरल तरीके का अगर उपयोग कर रहा है, तो जो उस लालच में आ जाता है, उसका कोई अपराध नहीं है, यह भी कोई नहीं मानेगा। अगर वह लालच में आता है, तो स्वाभाविक रूप से उसका अपराध है और उस अपराध का उसे दंड मिलना चाहिए, लेकिन खोजी पत्रकारिता के नाम पर, मुझे लगता है कि धीरे-धीरे अगर हम इस प्रकार की पत्रकारिता को महत्व देना शुरू कर दें, जिसमें पैसे से लेकर महिलाओं तक का उपयोग कर के कोई खबर निकालने की कोशिश करे, तो मुझे लगता है, इसको अगर हम सम्मान दें, तो समस्या होगी। इसका अर्थ यह नहीं है कि जिसने यह पाप किया है, उसको बचाने का इसमें कोई सवाल है। जैसा मैंने कहा है कि जिसने यह किया है, वह भुगतेगा, लेकिन इस प्रकार की चीज नहीं होनी चाहिए और खोज करते समय भी कानून और जो भी समाज की मान्यता होती है, उन मान्यताओं के अन्तर्गत ही यह खोज होनी चाहिए और इसलिए जो खबर छपी है, कम से कम खबर से प्राथमिक रूप से यह लगता है कि तहलका डॉट कॉम ने, जो भी सच्चाई, उनके दावे के अनुसार, उजागर करने की कोशिश की, उस कोशिश में

कम से कम खबर में यह लिखा है कि अनैतिक मार्ग का उपयोग हुआ है और खबर में लिखा हुआ है, इतना ही नहीं है, बल्कि जो तहलका डॉट कॉम के प्रमुख हैं, उन्होंने खुद इस बात को स्वीकार किया है कि हमने यह जो किया है,

इसमें कोई बहुत गलती नहीं है क्योंकि साध्य बड़ा महत्वपूर्ण होता है। उसके लिए साधन किसी प्रकार का उपयोग में लाएं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, यह उन्होंने कहा है।

अब यह कहने के बाद, मैं इतना ही कह सकता हूं कि गृह मंत्रालय की ओर से हम कल के अखबार में जो भी बातें छपी हैं और तहलका डॉट कॉम का जो उत्तर है, इसकी पूरी जांच करेंगे और जांच के अन्तर्गत अगर कोई भी व्यक्ति उसमें कानून तोड़कर खबर लाए, खबर प्राप्त करने का अर्थ यह नहीं है कि किसी को कानून तोड़ने की इजाजत मिलती है,

अगर उसने कानून तोड़कर खबर प्राप्त करने के लिए कुछ किया है तो उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जायेगी। वह कार्रवाई करने में सरकार पीछे नहीं हटेगी। â€¦(व्यवधान) मैं कहां कह रहा हूं कि आप नहीं कहें।â€¦(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I said it should be according to the law...(*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Let me complete.

MR. SPEAKER: The Minister has not yet completed his reply. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं?

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष जी, देश को सूचना का अधिकार है। पत्रकारों को जांच और खोज करने का अधिकार है, लेकिन उस अधिकार के अन्तर्गत, जैसे किसी संसद सदस्य को किसी प्रकार का कानून तोड़ने का अधिकार नहीं है, उसी प्रकार पत्रकार भी कानून के ऊपर नहीं है। कानून तोड़कर कोई खबर लाने का पत्रकारों को भी अधिकार नहीं है। अगर इसने किसी प्रकार का कानून तोड़ा होगा तो केवल कोई पत्रकार है, इसलिए उसको कानून तोड़ने की इजाजत है, इस प्रकार की व्य वस्था हमारा समाज मान नहीं सकता। कानून के सामने अगर सब समान हैं तो पत्रकार भी उसके सामने समान हैं और इस प्रकार की जांच करके अगर उसमें किसी भी पत्रकार ने किसी भी प्रकार का कानून तोड़ा है तो उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी।â€¦(व्यवधान)

श्री ब्रह्मानन्द मंडल : तब तक तो वह भागकर विदेश चला जायेगा।

अध्यक्ष महोदय : मि. ब्रह्मानन्द मंडल, आप क्या कर रहे हैं ?

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: Sir, he is crossing his limitsâ€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record. *(Interruptions) â€¦**

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : They are disturbing their own Minister...(*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : बाकी जो मुद्दे यहां उठाये गये हैं, ये विवादास्पद मुद्दे हैं। उन पर आदरणीय माधव राव जी की, सोमनाथ चटर्जी जी की अलग राय हो सकती है, मेरी अलग राय हो सकती है। मेरी दृटि में जार्ज फर्नाण्डीज जी पूर्णतया निरपराध हैं और इतना अच्छा रक्षा मंत्री बन ही नहीं सकता। इसमें अलग-अलग राय हो सकती हैं, लेकिन जब इसका फैसला वेंकटस्वामी आयोग करेगा और वेंकटस्वामी आयोग इसका निर्णय लेगा, उसके बाद इसका फैसला होगा।

MR. SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman. ...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, how can the hon. Minister say so?...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record. *(Interruptions) *â€¦*

अध्यक्ष महोदय : मि. ब्रह्मानन्द मंडल, आपका बिहेवियर हाउस में अच्छा नहीं है, आप बैठ जाइये। ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing, except what Shri Ramji Lal Suman is saying would go on record. *(Interruptions) â€¦**

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हाउस में शान्ति नहीं है।...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing would go on record. *(Interruptions) *â€¦*

MR. SPEAKER: There are other Members also. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have to call 43 names. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record. *(Interruptions) *â€¦*

MR. SPEAKER: Except what Shri Ramji Lal Suman says, nothing will go on recordâ€¦*(Interruptions) *â€¦*

MR. SPEAKER: There are other Members who have given notices. (*Interruptions*)